एक्सप्रेस व्यूज़

R.N.I.NO.: UPHIN/2019/77214

वर्ष : 07 अंक : 09 पीलीभीत, सितम्बर 2025 पृष्ठ 8 मूल्य :5 रूपया

पारदर्शिता बढ़ाने को शीघ्र लागू होगा नया सोसाइटी पंजीकरण एक्ट: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के स्थान पर उत्तर प्रदेश में नया कानून लागू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सोसाइटी के रूप में पंजीकृत संस्थाओं के पंजीकरण, नवीनीकरण तथा उनकी संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए युगानुकूल और व्यावहारिक प्रावधान किए जाने चाहिए। सीएम योगी ने कहा, वर्तमान अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के निरस्तीकरणध्विघटन और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन, तथा सदस्यता, प्रबंधन और चुनाव संबंधी विवादों के समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट प्रावधानों का अभाव है। इसी प्रकार, वित्तीय अनुशासन के लिए ऑडिट, निधियों के दुरुपयोग पर नियंत्रण और संपत्ति प्रबंधन से संबंधित नियम भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि व्यावहारिकता का ध्यान रखते हुए युगानुकूल सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और सदस्य हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट हो या सोसाइटी, कुछ लोगों की कुत्सित मानसिकता के चलते संस्थाओं की संपत्तियों की मनमानी बिक्री न हो, यह रोकने के लिए ठोस व्यवस्था की जानी चाहिए। विवाद की स्थिति में प्रशासक नियुक्त किये जाने को अनुपयुक्त बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी संस्था कैसे संचालित होगी, यह प्रबंध समिति ही तय करे। सरकार अथवा स्थानीय प्रशासन की ओर से संस्थाओं के आंतरिक कामकाज में न्यूनतम हस्तक्षेप ही होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग आठ लाख से अधिक संस्थाएँ पंजीकृत हैं, जिनकी गतिविधियां शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता, ग्रामीण विकास, उद्योग, खेल आदि अनेक क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं। इसलिए उनके संचालन, सदस्यता, चुनाव और वित्तीय अनुशासन से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा किया कि निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के विघटन, निरस्तीकरण और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन के लिए अधिनियम में ठोस प्रावधान होना चाहिए। साथ ही सदस्यता विवाद, प्रबंधन समिति में मतभेद, वित्तीय अनियमितताओं तथा चुनाव संबंधी विवादों के त्वरित और समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था की जानी उचित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया ऑनलाइन, केवाईसी आधारित और समयबद्ध होनी चाहिए। वित्तीय लेन-देन की जवाबदेही तथा लेखा-परीक्षा की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। नए कानून को यथाशीघ्र तैयार करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आवश्यक प्रावधान इस प्रकार तैयार किए जाएँ, जिससे प्रदेश की पंजीकृत संस्थाएँ समाजोपयोगी कार्यों को और प्रभावी ढंग से संपादित कर सकें तथा पारदर्शिता और सुशासन की भावना को आगे बढ़ा सकें।

महात्मा गांधी की हत्या करने वाले, अब संविधान का गला घोंटने चाहते है

धन्यवाद बिहार:राहुल

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज पटना में वोटर अधिकार यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। राहुल गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नहीं हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ों फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा ही बेंगलुरु

सेंट्रल की एक विधानसभा सीट पर हुआ और हमारी तरफ से जांच की गई तो पता चला कि एक लाख फर्जी वोट जोड़े गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख वोट काट लिए गए तो चुनाव आयोग की चोरी जगजाहिर हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की वोटर अधिकार यात्रा का जन्म यहीं से हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं।

सीएम नीतीश कुमार का ब्रह्मास्त्र: महिलाओं को रोजगार के लिए 10 हजार की सौगात

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की महिलाओं के उत्थान के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इस बार सीएम नीतीश ने महिलाओं को एक नया तोहफा दिया है। महिलाओं को रोजगार करने के लिए नीतीश कैबिनेट ने एक नई योजना मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत अब अपना रोजगार शुरू करने के लिए बिहार की महिलाओं को 10 हजार रुपए की सहायता राशि मिलेगी जिसे वापस करने की भी कोई जरूरत नहीं है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे बिहार के विकास में और भी सक्रिय योगदान दे सकें। विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस कदम को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के हर परिवार की एक महिला को उनकी मनपसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देने का बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए की राशि सितंबर महीने में पात्र महिलाओं के खाते में जमा कर दी जाएगी। जल्द ही पात्र महिलाओं से आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास विभाग को दी गई है। महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष हाट-बाजार भी बनाए जाएंगे। इस योजना की खास बात यह है कि 10 हजार रुपए की यह सहायता राशि महिलाओं को वापस नहीं करनी होगी। इसके अलावा, रोजगार को आगे बढ़ाने के लिए अगले 6 महीने के परफॉरमेंस का आकलन किया जाएगा और जिसका परफॉरमेंस अच्छा रहेगा इनको अधिकतम 2 लाख रुपए तक की मदद दी जाएगी। इस पूरी योजना को आगे बढ़ाने में जीविका दीदी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इच्छुक महिलाओं से आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू की जाएगी। इसकी पूरी व्यवस्था और प्रक्रिया का निर्धारण ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया जाएगा, जिसमें नगर विकास एवं आवास विभाग का सहयोग भी लिया जाएगा।

पंजाब कांग्रेस ने बाढ़ पर पीएम से मांगी मदद,वड़िंग बोले-राज्य अब इंतजार नहीं कर सकता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के प्रधान और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य के लिए तुरंत राहत पैकेज की मांग की है। वड़िंग ने बताया कि पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और इससे फसलों से लेकर लोगों की जिंदगी तक को भारी नुकसान हुआ है। वड़िंग ने पत्र में कहा कि पंजाब में आई भयंकर बाढ़ से हुई तबाही पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रभावित जिलों में गुरदासपुर, कपूरथला, अमृतसर, पठानकोट, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, पटियाला, होशियारपुर, संगरूर और बटाला सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक बाढ़ के कारण जान-माल और फसलों का भारी नुकसान हो चुका है। आने वाले कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। बहुत से लोगों को अभी तक सही राहत और मदद नहीं मिल पाई है। गृह मंत्रालय ने स्थिति का जायजा लेने के लिए टीमें बनाई हैं, लेकिन पंजाब को तुरंत मदद की जरूरत है। राजा वड़िंग ने बताया कि अब तक हुए नुकसान का अनुमान हजारों करोड़ रुपए से ज्यादा है। करीब 1300 गांव पूरी तरह डूब चुके हैं और लाखों लोग प्रभावित हैं। फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं।

देश के टॉप 10 असुरक्षित शहरों में देहरादून भी शामिल, महिला सुरक्षा पर आयोग की रिपोर्ट चिंताजनक

देहरादून , (जीएनएस)। राष्ट्रीय महिला आयोग की महिला सुरक्षा को लेकर जारी रिपोर्ट चिंताजनक है। देश के असुरक्षित दस राज्यों में राजधानी देहरादून भी शामिल है। राष्ट्रीय महिला आयोग की नारी 2025 महिला सुरक्षा रिपोर्ट में देहरादून के लिए चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार देहरादून का महिला सुरक्षा सूचकांक केवल 60.6 फीसदी रहा जो राष्ट्रीय औसत 64.6 फीसदी से भी कम है। वहीं, कोहिमा जैसे शहर जहां सुरक्षा सूचकांक 82.9 फीसदी है, वहां की तुलना में देहरादून काफी पीछे नजर आया। महिलाओं से विभिन्न मामलों में पूछे गए सवालों के आधार पर यह सर्वे हुआ। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि दून की केवल 50 फीसदी महिलाएं शहर को बहुत सुरक्षित या सुरक्षित मानती हैं जबकि अन्य शहरों में यह औसत 60 फीसदी है। वहीं 41 फीसदी महिलाओं ने शहर को सुरक्षित बताया न असरक्षित। सार्वजनिक स्थानों

पर उत्पीड़न की घटनाएं भी दर्ज हुईं इसके अलग करीब 10 फीसदी महिलाएं खुद को असुरक्षित या बहुत असुरक्षित महसूस करती हैं। दिन के समय 70 फीसदी महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं लेकिन रात होते ही यह संख्या घटकर 44 फीसदी रह जाती है। सार्वजनिक स्थानों पर उत्पीड़न की घटनाएं भी दर्ज हुई। देहरादून में छह फीसदी महिलाएं उत्पीड़न का शिकार हुईं जिनमें से कई बार-बार ऐसी घटनाओं से गुजरीं। सबसे अधिक मामले मौखिक उत्पीड़न (अपशब्द कहना) के रहे। महिला-अनुकूल ढांचे और परिवहन व्यवस्था पर भी स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कड़े कानून, बेहतर रोशनी, सुरक्षित परिवहन और महिला-अनुकूल ढांचे को प्राथमिकता देकर ही दून को महिलाओं के लिए सरक्षित बनाया जा सकता है। महिला सुरक्षा के लिए भाजपा सरकार के दावे खोखले : माहरा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा, राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट से महिला सुरक्षा के लिए भाजपा सरकार के दावे खोखले साबित हुए हैं। रिपोर्ट में देहरादून को देश के सबसे असुरक्षित शहरों में गिना गया है। यह केवल आंकड़ा नहीं है, हमारी बेटियों की टूटी हुई उम्मीदें, उनका डर है। माहरा ने कहा, प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। छेड़छाड़, उत्पीड़न, दुष्कर्म और घरेलू हिंसा की घटनाओं को रोकने में सरकार विफल साबित हो रही है। भाजपा नैतिकता की बात करती है, लेकिन हकीकत यह है कि भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों का दामन दागदार है। सल्ट, लालकुआं, चंपावत और संतरेसा में दुष्कर्म की घटनाओं में भाजपा नेताओं पर आरोप लगे हैं। हरिद्वार में भाजपा की ही महिला पदाधिकारी अपनी बेटी का शोषण करवाती रही। अंकिता भंडारी हत्याकांड में आज तक वीआईपी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट ने भाजपा सरकार के झूठे दावों का पदार्फाश किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है, लेकिन पीड़िता को न्याय नहीं मिल रहा है।

अब नंदानगर पर संकट...जमीन पर दरारें देख फिर सहमे लोग, आशियानें छोड़ने पड़े अपने तो छलकने लगा दर्द

गोपेश्वर (चमोली) , (जीएनएस)। चमोली में एक बार फिर बड़ा संकट छाया है। नंदानगर के बैंड बाजार के ऊपर जमीन की दरारें बढ़ती जा रही है। तीन और भवन ध्वस्त हो गए हैं। यहां रह रहे परिवारों को प्रशासन की ओर से पहले ही सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया था। पांच अन्य भवन कभी भी जमींदोज हो सकते हैं। इन भवनों के पीछे भारी मात्रा में मलबा एकत्रित हो गया है। प्रशासन की ओर से बाजार की 30 दुकान और 19 भवनों को खाली करवा दिया गया है। प्रभावित परिवारों की संख्या बढ़ने से मारिया आश्रम के सात कमरों को भी राहत शिविर बनाया गया है। यहां एक परिवार को शिफ्ट किया गया है।नंदानगर के मुख्य बैंड बाजार के करीब पांच मीटर ऊपर से भूधंसाव हो रहा है। जिससे कई भवन इसकी जद में आ गए हैं। रविवार को

गोविंद सिंह, पार्वती देवी और पुष्पा देवी के आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। प्रशासन की ओर से इन परिवारों को पहले ही राहत शिविर में शिफ्ट कर दिया था। नायब तहसीलदार राकेश देवली ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में भूधंसाव बढ़ता जा रहा है। अभी तक चार आवासीय मकान जमींदोज हो गए हैं, जबकि पांच मकानों के पीछे से मलबा आ गया है। दुकानों को भी खतरे की आशंका के चलते खाली करवा दिया गया है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देश पर तहसील प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र की गोशालाओं से मवेशियों को भी शिफ्ट कर दिया है। व्यापार संघ अध्यक्ष नंदन सिंह ने बताया कि बैंड बाजार में 30 दुकानों को खाली करवा दिया गया है। जबकि 40 मवेशियों को प्रशासन की ओर से चिन्हित गौशालाओं में रखा गया है। यहां उन्हें चारे की व्यवस्था भी की गई है। प्रभावित क्षेत्र में रविवार को लोग दिनभर अपने घरों से सामान शिफ्ट करने में लगे रहे। पुलिस कर्मियों ने भी आपदा प्रभावितों के साथ उनके घरों का सामान सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया। पुलिस ने सामान शिफ्ट कर रहे लोगों को बिस्किट और पानी की बोतलें वितरित कीं। पुलिस की ओर से वाहन में लाउडस्पीकर लगाकर लोगों को बारिश होने पर सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की जा रही है।

चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पांच सितंबर तक स्थगित, लगातार बारिश के चलते लिया गया फैसला

देहरादून , (जीएनएस)। उत्तराखंड में मौसम विभाग की ओर रेड अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश ने प्रदेश में तबाही मचाई हुई है। इसे देखते

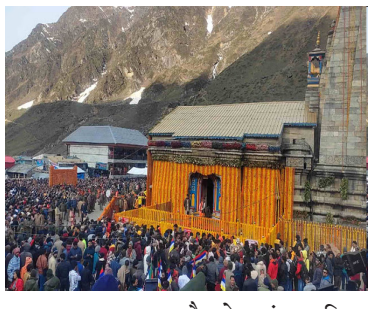

हुए अब चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पांच सितंबर तक के लिए रोकी गई है। उत्तराखंड में लगातार जारी बारिश को देखते हुए, सरकार ने चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पांच सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने बताया कि भारी बारिश से प्रदेश में कई जगह भूस्खलन- मलबा आने से मार्ग बाधित हो रहे हैं। सरकार प्राथमिकता पर सड़कों को खोल रही है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा ओर सुविधा को देखते हुए, फिलहाल चारधाम एवं हेमकुंड साहिब यात्रा को पांच सितम्बर तक स्थगित किए जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि वे प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए फिलहाल यात्रा मार्गों पर प्रस्थान न करें। और प्रशासन द्वारा जारी परामर्श का पालन करें। मौसम सामान्य होने एवं मार्ग पूरी तरह सुरक्षित पाए जाने के उपरांत यात्राओं को पुनः प्रारम्भ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा सड़क मार्गों की निगरानी, सफाई और यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि धैर्य एवं संयम बनाए रखें तथा यात्रा संबंधी जानकारी के लिए प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष से संपर्क करते रहें।

काठगोदाम और लालकुआं से 11 नई ट्रेनें दौड़ने की तैयारी, सप्ताह में छह दिन चलाने की है योजना

हल्द्वानी , (जीएनएस)। काठगोदाम से नई दिल्ली के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की तैयारी है। रेलवे ने इस रूट सहित 11 जोड़ी ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव पर मुहर लगते ही यात्रियों को कई नए गंतव्यों के लिए सीधी ट्रेन सुविधा मिल सकेगी। कुमाऊं के यात्रियों के लिए रेलवे बड़ी सौगात देने जा रहा है। काठगोदाम से नई दिल्ली के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की तैयारी है। रेलवे ने इस रूट सहित 11 जोड़ी ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव पर मुहर लगते ही यात्रियों को कई नए गंतव्यों के लिए सीधी ट्रेन सुविधा मिल सकेगी। रेलवे सूत्रों के अनुसार, काठगोदाम-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को सप्ताह में छह दिन चलाने का प्रस्ताव भेजा गया है। इसके साथ ही इज्जतनगर-चंडीगढ़ वंदे भारत एक्सप्रेस भी छह दिन चलाई जा सकती है। रामनगर-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस को सप्ताह में दो दिन और काठगोदाम-सूबेदारगंज एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने की योजना बनाई गई है। इसी प्रकार इज्जतनगर लालकुआं-हरिद्वार एक्सप्रेस सप्ताह में एक दिन, लालकुआं-यशवंतरावपुर एक्सप्रेस सप्ताह में एक दिन और लालकुआं-कानपुर एक्सप्रेस भी सप्ताह में एक दिन संचालित करने का प्रस्ताव है। कासगंज-नई दिल्ली एक्सप्रेस सप्ताह में चार दिन, कासगंज-सिकंदराबाद एक्सप्रेस प्रतिदिन और कासगंज-वाराणसी एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन चलाने की योजना है।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि प्रस्तावों को अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद कुमाऊं व तराई के यात्रियों को दिल्ली, हरिद्वार, चंडीगढ़, उदयपुर, कटड़ा, वाराणसी और सिकंदराबाद आदि बड़े शहरों तक आधुनिक और तेज ट्रेन सेवा उपलब्ध हो सकेगी। देहरादून के वंदे भारत से जुड़ने के बाद कुमाऊंवासी लंबे समय से इस ट्रेन के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

राजधानी में निकला चुप ताजिया जुलूस,बारिश के बीच नम आंखों से इमाम हुसैन को याद किया

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को चौक स्थित इमाम बाड़ा नाजिम साहब से चुप ताजिया का जुलूस निकाला गया। ये जुलूस मोहर्रम के आखिरी दिन निकलने वाला अंतिम जुलूस होता है। दो महीने 8 दिन तक चलने वाले मोहर्रम और गम के सिलसिले का चुप ताजिया के साथ समापन हुआ। ईराक स्थित कर्बला में यजीदी फौज द्वारा बेरहमी से शहीद किए गए पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की याद में मोहर्रम मनाया जाता है। जुलूस शुरू होने से पहले शिया धर्म गुरु मौलाना एजाज अतहर ने मजलिस पढ़ी। उसके बाद परंपरागत तरीके से निकाला गया जुलूस अकबरीगेट, नक्खास, बिल्लौचपुरा चौराहे से मुड़कर गिरधारी सिंह इंटर कॉलेज मंसूर नगर होता हुआ सआदतगंज स्थित रौजा-ए-काजमैन में संपन्न हो गया। लगभग 3 किलोमीटर पैदल यात्रा अकीदतमंदों ने तय किया। जुलूस और मजलिस में बड़ी संख्या में अकीदत मंद शामिल हुए और नम आंखों से हजरत इमाम हुसैन को याद किया। मौलाना एजाज अतहर ने जंग की तारीख बयान किया। उन्होंने कहा कि इराक के कर्बला जैसी जंग दुनिया में दोबारा कभी नहीं हुई। यह ऐसी जंग थी, जिसमें महिलाएं, बीमार और 6 महीने के मासूम बच्चे भी शामिल हुए। पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे ने इस जंग को इंसानियत कि खातिर लड़ी थी। जिसके साथ कर्बला से ये संदेश दिया कि अत्याचार करने वाला कितना भी शक्तिशाली शाली हो उसके खिलाफ आवाज जरूर उठाना चाहिए । 2 महीना 8 दिन तक हमने लगातार जुलूस और मजलिस के माध्यम से हजरत इमाम हुसैन को याद किया। आज मोहर्रम के गम का आखिरी दिन है। मोहर्रम में निकलने वाले सभी जुलूस खास होते हैं। लखनऊ इमामबाड़ा से निकाले गए अलविदाई चुप जुलूस मे भारी संख्या मे अकीदतमंद, अजादार शामिल हुए। मरसिया पढ़कर अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन और उनके साथियों याद किया, पुरसा पेश किया । जुलूस में शामिल ताजिया को अकीदत के साथ लोग चूमते हुए नजर आए। जुलूस में शामिल अकीदतमंद तबरेज ने कहा कि आज हम लोग नम आंखों के साथ मोहर्रम को विदा कर रहे हैं। 2 महीना 8 दिन शिया समुदाय के लिए बहुत विशेष होता है। मोहर्रम का साल भर इंतजार रहता है। इन दिनों में हम ज्यादातर काले कपड़े पहनते हैं। किसी प्रकार की खुशी नहीं मनाई जाती है। हमारी ये कोशिश होती है कर्बला के मैदान से इमाम हुसैन ने जो संदेश दिया उसे अपने जीवन में लागू करें। इमाम हुसैन और उनके साथियों को 3 दिनों तक भूखा-प्यासा रखा गया था। इसलिए मोहर्रम के दौरान बड़ी संख्या में भंडारा बांटा जाता है। सबील (प्याऊ) लगाई जाती है।

न तीन में न तेरह में सपा की बिहार यात्रा पर केशव मौर्य का वार, बोले,अखिलेश सिर्फ रिश्तेदारी निभाने आए थे!

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्यवोट अधिकार यात्रा में यादव की हालत श्न तीन में न तेरह में जैसी ही रही। मौर्य ने एक प्रचलित मुहावरे का प्रयोग करते हुए सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार में नितांत असफल ह्यवोट अधिकार यात्रा में सपा बहादुर अखिलेश यादव की हालत न तीन में न तेरह में जैसी ही रही।ह्व न तीन में न तेरह में मुहावरे का मतलब जिसका कोई लेना-देना न हो, या जो किसी बात से बिलकुल ही अप्रासंगिक हो। मौर्य ने पोस्ट में कहा कि जिस पार्टी का बिहार की धरती पर न कोई अतीत है, न वर्तमान और न कोई भविष्य। उनका बिहार से संबंध केवल लालू प्रसाद यादव के परिवार से नातेदारी तक सीमित है। बिहार की जनता इनकी खातिरदारी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इसकी बानगी आने वाले चुनाव में मिलेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ ह्यवोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए थे और बिहार की जनता का आह्वान किया कि वह ह्यमगध (बिहार) में भी उसी तरह भारतीय जनता पार्टी को हराये, जैसे पिछले लोकसभा चुनाव में लोगों ने उसे ह्यअवध (फैजाबाद-अयोध्या) में हराया था। उन्होंने यह आरोप भी लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग को ह्यजुगाड़ आयोग बना दिया है। यादव ने ह्यवोटर अधिकार यात्रा के तहत आरा (भोजपुर) में आयोजित एक सभा में उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजों का हवाला देते हुए कहा कि हम लोगों ने मिलकर अवध में हराया था, इस बार मगध में भारतीय जनता पार्टी को हराने की जिम्मेदारी आपकी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव सारण से इस यात्रा का हिस्सा बने।

सभी किसानों को मिलेगी खाद,बटाईदार भी शामिल

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन में किसानों को समय पर और बिना किसी परेशानी के खाद उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए एक नई प्रणाली की शुरूआत की है। सहकारिता विभाग की पहल का उद्देश्य खाद वितरण में पारदर्शिता और सुगमता है, जिससे किसानों को समस्याओं से निजात मिल सके।नई व्यवस्था के तहत खाद का वितरण एम-पैक्स बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा। सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने इस प्रक्रिया को लेकर एक मानक संचालन प्रक्रिया एसओपी जारी की है। इस एसओपी के माध्यम से सभी जिलों के सहायक और संयुक्त आयुक्तों तथा निबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि खाद वितरण प्रक्रिया में किसानों को असुविधा न हो।खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की लंबी कतारों को देखते हुए वहां शेड और टेंट की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान धूप या बारिश से सुरक्षित रह सकें।कतार में लगे किसानों को बुलाने के लिए माइक्रोफोन या

पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग अनिवार्य है।खाद वितरण के समय फिंगरप्रिंट और स्कैनिंग में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए पॉइंट ऑफ सेल पीओएस मशीनों को नियमित रूप से साफ रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसानों को जागरूक किया जाएगा कि मशीन पर उंगली रखने से पहले वे उंगली साफ कर लें ताकि बायोमेट्रिक सिस्टम सही ढंग से काम कर सके। इस नई व्यवस्था में सिर्फ जमीन के मालिक ही नहीं, बल्कि बटाईदार किसान भी खाद प्राप्त कर सकेंगे। बटाईदारों को खाद देने से पहले भूस्वामी और बटाईदार के बीच एक लिखित सहमति पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। गैर-सदस्य किसान भी समिति की सदस्यता लेकर खाद प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे किसानों की खतौनी और आधार कार्ड की प्रति समिति में सुरक्षित रखी जाएगी। खाद वितरण केंद्रों को प्रतिदिन खोलने के आदेश दिए गए हैं और यह सुनिश्चित किया गया है कि हर केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध रहे। स्टॉक और वितरण रजिस्टर को हमेशा अपडेट रखना जरूरी होगा ताकि किसी भी समय रिकॉर्ड की जांच की जा सके। ब्लॉक स्तर से लेकर मंडल स्तर तक अधिकारी नियमित निरीक्षण करेंगे और हर बुधवार शाम तक अपनी रिपोर्ट ई-मेल के माध्यम से मुख्यालय को भेजेंगे। जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सहकारी समितियों और निजी विक्रेताओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर खाद वितरण का निर्णय लें।

नगर निगम में संपत्ति विभाग के कर्मचारी धरने पर,लखनऊ पुलिस के खिलाफ लगाए नारे

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम के नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव द्वारा थप्पड़ मारने के मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ क्रॉस मुकदमा दर्ज हुआ है। अब नगर निगम के कर्मचारी मुकदमा दर्ज होने के विरोध में उतर आए हैं। नगर निगम के संपत्ति विभाग के कर्मचारी और अधिकारी मुख्यालय पर धरने पर बैठ गए हैं। इस दौरान थ्त् वापस लेने की मांग कर रहे हैं। मौके पर लखनऊ पुलिस पर झूठा मुकदमा लिखने का आरोप लगाते हुए कर्मचारी नारेबाजी भी कर रहे। इस दौरान नगर निगम की है ललकार वापस हो झूठी एफआईआर के नारे भी लगाए जा रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने पर उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया, जिससे उनका मनोबल टूट गया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मुकदमा वापस नहीं होगा तब तक काम पर संपत्ति विभाग नहीं लौटेगा। 25 अगस्त 2025 को सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मस्तेमऊ गांव में नगर निगम की टीम सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने गई थी। यह जमीन (खसरा नंबर 868, 0.152 हेक्टेयर) राजस्व रिकॉर्ड में खाद के गड्ढे के रूप में दर्ज है और नगर निगम के अधीन है। जांच में राम मिलन नाम के व्यक्ति द्वारा 3000 वर्ग फुट जमीन पर अवैध कब्जा पाया गया। राम मिलन को फरवरी 2025 में नोटिस भेजा गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 23 अप्रैल को पुलिस के साथ कार्रवाई के दौरान राम मिलन ने महिलाओं को आगे कर विरोध किया, गाली-गलौज की और सरकारी काम में बाधा डाली। उनके बेटे अमित ने कब्जा स्वीकार किया, लेकिन 6 महीने का समय मांगा। 25 अगस्त को दोबारा कार्रवाई के दौरान फिर विरोध हुआ। राम मिलन ने टीम को धमकी दी और वीडियो बनाए। इस बीच राम मिलन को नायब तहसीलदार ने थप्पड़ मार दिया। इसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। मामले में नगर निगम ने राम मिलन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, लेकिन राम मिलन की शिकायत पर नगर निगम के नायब तहसीलदार सहित अन्य के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हुआ। नगर निगम के कर्मचारियों का कहना है कि लेखपाल सुभाष कौशल के खिलाफ उल्टा मुकदमा दर्ज हो गया। जबकि उनकी तैनाती वहां पर नहीं है।

संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय में खुली हेलो इंस्पायर हेल्पलाईन

लखनऊ(संवाददाता)। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी इंस्पायर मॉनक योजना 2025-26 के अन्तर्गत नामांकन के लिए पोर्टल पन्द्रह सितम्बर तक खुला हुआ है जिसमें सभी बोर्ड के मान्यता प्राप्त स्कूलों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट वैज्ञानिक नवाचारी विचारों को प्रत्येक वर्ष की भांति हस वर्ष भी आमन्त्रित किये जा रहे हैं। प्रत्येक विद्यालय की एक शाखा से अधिकतम पांच बेस्ट आइडियाज अपलोड करने के निर्देश लगातार मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार के द्वारा दिए जा रहे है। मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ मण्डल के सभी 6 जिलों लखनऊ ,लखीमपुर खीरी, हरदोई,सीतापुर, उन्नाव,रायबरेली के विद्यालयों द्वारा योजना में विद्यार्थियों के नामांकन करते समय किसी भी प्रकार की समस्या या असुविधा के शंका समाधान के लिए हेलो इंस्पायर हेल्पलाईन सेवा रविवार को खोल दी गयी है जिसका नम्बर 9415664679 है। संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल डॉ प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार नामांकन में किसी भी प्रकार समस्या व कटिनाइयों का समाधान करेगे। इंस्पायर्र मानक में नामांकन करते समय आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के लिए कोई भी स्कूल प्रबंधन अपरान्ह 2 बजे से 5 बजे तक हेल्पलाईन पर अपनी शंका समाधान के लिए सम्पर्क कर सकते हैं। हेल्पलाईन 1 सितम्बर से 5 सितम्बर 2025 के अपरान्ह 2 बजे से 5 बजे तक पांच दिनों के लिए खुली रहेगी। डॉ दिनेश कुमार,मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी, लखनऊ मण्डल ने बताया कि लखनऊ मण्डल से सर्वाधिक बाल वैज्ञानिकों को चिन्हित कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना हेलो इंस्पायर हेल्पलाईन का एक मात्र उद्देश्य है।

शकील हर क्षेत्र में कर्तव्य निष्ठ रहेरू प्रमुख अभियंता

लखनऊ(संवाददाता)। राजकीय वाहन चालक संघ,सिचाई विभाग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद के सममान समारोह चौधरी चरण सिंह प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इं. ए.के. सिंह प्रमुख अभियंता परिकल्प एवं नियोजन ने अपने सम्बोधन में कहा कि श्री शकील कर्मचारी संगठन के नेतृत्व में बेहतर तो रहे ही साथ ही वे काफी कर्तव्यनिष्ठ रूप से सरकार की सेवा करते रहे। उन्होंने सारथी के रूप में अपने दायित्वों का भरपूर निवर्हन किया। इस दौरान विशिष्ठ अतिथि इं. राकेश कुमार मुख्य अभियंता स्तर वन ने उनके संगठनात्मक और व्यक्तिगत व्यवहार की जमकर सराहना की। कार्यक्रम का संचालन चालक महासंघ के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद कुमार नेगी ने किया। समारोह में पूर्व अध्यक्ष शकील अहमद को नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के ओरी लाल यादव अध्यक्ष ,दिलीप चन्द्र रावत उपाध्यक्ष,मो.गुलाम कादिर,कोषाध्यक्ष,अनिल कुमार मिश्रा प्रान्तीय मंत्री,सुनील कुमार संयुक्त मंत्री, राम प्रताप,संगठन मंत्री, करन यादव, प्रचार मंत्री ने फूल माला और शाल उपहार देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्य मेघपाल सिंह, मान सिंह यादव, श्रवण कुमार यादव भी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बताया कि श्री शकील द्वार 1983 में सिंचाई विभाग में सेवा शुरू की गई। इस दौरान वे लम्बे समय तक चालक संघ के विभिन्न पदों के साथ उपाध्यक्ष तथा 2022 में प्रदेश अध्यक्ष चुने गए थे।

सम्पादकीय

पलटी मारने के उस्ताद मोदी

भारतीय राजनीति में पलटी मारने का अगर कोई रिकार्ड दर्ज होगा, तो निश्चित ही नीतीश कुमार को विजेता घोषित किया जाएगा। क्योंकि वे साल बीतते न बीतते अपने विचारों को बदल कर एक गठबंधन से दूसरे में शामिल हो जाते हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी तो शायद पलटी मारने में नीतीश कुमार का रिकार्ड तोड़ चुके हैं, वो भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान, कनाडा, तुर्की इन सारे देशों को लेकर नरेन्द्र मोदी ने जो भी दावे किए, वो सब कुछ ही महीनों में खुद ही खारिज भी कर दिए। निज्झर हत्याकांड में भारत पर लगे गंभीर आरोपों के बाद कनाडा से भारत के रिश्ते इतने बिगड़ चुके थे कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निकाल बाहर किया था। वीजा रद्द किए जा रहे थे। यहां तक कि जून में हुई जी 7 की बैठक में भी पहले श्री मोदी को विशेष आमंत्रितों में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन फिर कनाडा के नए प्रधानमंत्री बने मार्क कार्नी ने फोन किया और श्री मोदी कनाडा चले गए। अब दोनों देशों ने फिर से अपने-अपने राजदूतों की नियुक्ति कर दी है। तुर्की के साथ भी ऐसा ही यू टर्न प्रधानमंत्री ने लिया है। ऑपरेशन सिंदूर में जानकारी सामने आई थी कि तुर्की ने भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान की मदद की है, इसके बाद मोदी सरकार ने तुर्की के बहिष्कार की बात कही और श्री मोदी को अंधा समर्थन करने वालों ने तुर्की को कोसना शुरू कर दिया। देश की उन नामचीन हस्तियों को निशाने पर लिया, जिनकी तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयब अदोर्गान से कभी मुलाकात की। लेकिन अब तीन महीने में भारत सरकार ने तुर्की और भारत की कुछ एयरलाइनों के बीच समझौते को हरी झंडी दिखा दी है। यानी बहिष्कार की अवधि तीन महीने भी नहीं रही। अमेरिका के साथ तो जबरन की नजदीकियां और खासकर डोनाल्ड ट्रंप को प्यारा दोस्त बताकर नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश को किस आफत में डाल दिया है, ये अब वो व्यापारी ही बेहतर बता पाएंगे, जिनके कारोबार टैरिफ के कारण ठप्प हो गए हैं। व्यापार रोकने की धमकी देकर ही ट्रंप ने युद्धविराम करने का दावा किया था। लेकिन नरेन्द्र मोदी न ट्रंप को टैरिफ लगाने से रोक पाए, न युद्धविराम की बात को नाम लेकर खारिज किया, और न ट्रंप की तरफ से भारत के लगातार किए गए अपमान पर कोई जवाब दे पाए। अब श्री मोदी की छवि गढ़ने में लगा मीडिया ये साबित करने की कोशिश कर रहा है कि ट्रंप को झटका देने के लिए श्री मोदी ने तैयारी कर ली है और उनकी मौजूदा चीन यात्रा को भी इससे जोड़ा जा रहा है। जापान में बुलेट ट्रेन की सवारी के बाद नरेन्द्र मोदी चीन पहुंच गए। इधर बुलेट ट्रेन का सपना दिखाकर श्री मोदी ने हजारों-लाखों लोगों को कहीं बाढ़, कहीं भू स्खलन का शिकार होने के लिए छोड़ दिया है। बहरहाल, रविवार को नरेन्द्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय मुलाकात की। सात साल बाद श्री मोदी चीन पहुंचे हैं। उनके पिछले दौरे में दोनों नेताओं ने फिल्मी संगीत का आनंद लिया था। लेकिन उसके बाद गलवान घाटी की झड़प हुई, जिसमें भारत के 20 सैनिक शहीद हुए और न जाने कितनी जमीन चीन के पास जा चुकी है, इसका कोई हिसाब सरकार ने नहीं दिया। क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने तो कभी माना ही नहीं कि चीन ने घुसपैठ की है। उनके हिसाब से न कोई आया, न आएगा। लेकिन चीन की घुसपैठ के बारे में लद्दाख के लोग शिकायत करते हैं। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर अप्रैल 2020 से पहले की यथास्थिति बहाल नहीं हो पाई है। वहीं चीन ने 2020 के बाद कई बार अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण किया है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत कहता है। यानी उसकी तरफ से विस्तारवादी नीति जारी है और इस बीच ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान को भी चीन ने खुलकर मदद की। श्री मोदी जिस शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) बैठक के लिए चीन पहुंचे हैं, पाक के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी पहुंचे हैं। शरीफ के स्वागत के लिए बहुत से लोग पहुंचे, जबकि इक्का-दुक्का लोग नरेन्द्र मोदी को लेने पहुंचे। चीन के तियानजिन में शी जिनपिंग से द्विपक्षीय वार्ता में श्री मोदी ने कहा, श्पिछले वर्ष कजान में हमारी बहुत ही सार्थक चर्चा हुई थी। हमारे संबंधों को एक सकारात्मक दिशा मिली है। सीमा पर डिसइंगेजमेंट के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना हुआ है। हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं शी जिनपिंग ने कहा, हम दोनों दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत जरूरी है।

ट्रंप टैरिफ चुनौती के बीच अर्थव्यवस्था की ताकत बनता कृषि क्षेत्र

निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। ट्रंप के टैरिफ वार के दौरान ही 2025 वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के परिणाम इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते है कि ट्रंप द्वारा हमारी अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था करार देने के बावजूद चीन से भी हमारी जीडीपी विकास दर अधिक रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एनएसओ द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार जीडीपी 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले एक साल यानी कि अप्रैल-जून 2024, जुलाई-सितंबर 2024, अक्टूबर-दिसंबर 2024 और जनवरी-मार्च 2025 की तुलना में भी अधिक है। सबसे खासबात यह है कि जीडीपी में बढ़ोतरी का श्रेय कृषि और सर्विस सेक्टर को जा रहा है। कृषि सेक्टर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अर्थ व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ है और तेजी से विकसित होती भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निश्चित रुप से इसका श्रेय अन्नदाता को तो जाता ही है इसके साथ ही सरकार की किसानोन्मुखी और कृषिनोन्मुखी नीति को भी जाता है। कृषि और संबंध क्षेत्र जिसमें कृषि के साथ ही पशुपालन, वानिकी और मत्स्य पालन शामिल है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का 14 प्रतिशत योगदान है तो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आजीविका एग्रीकल्चर सेक्टर पर आज भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने में कृषि क्षेत्र में भी पीछे नहीं रहने वाला है। देश में करीब 51 प्रतिशत यानी कि 159 मिलियन हैक्टेयर भूमि में खेती हो रही है। इसमें से 50 प्रतिशत से कुछ अधिक भूमि ही सिंचित है जबकि बहुत बड़ा क्षेत्र मानसून की मेहरबानी पर निर्भर है। यह एक सकारात्मकता है कि इस साल अभी तक मानसूनी बरसात औसत से अधिक और अच्छी बरसात हुई है। पिछले सालों में भी मानसून अनुकूल रहने से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। कृषि और अन्नदाता की महत्ता को कोरोना काल ने बेहतर तरीके से समझा दिया है। कोरोना काल में कृषि सेक्टर ने दो तरह से सहभागिता निभाई। एक तो जहां सब कुछ लॉक डाउन की भेंट चढ़ रहा था यहां तक कि घर में कैद होकर रह गए थे तब भी कृषि सेक्टर अपनी प्रभावी भूमिका निभाता रहा वहीं दूसरी और अन्नदाता की मेहनत से देश के गोदामों में भरे खाद्यान्नों के भण्डारों ने देश में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाये रखी। आज भी करीब 80 करोड़ देशवासियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह अपने आप में

बड़ी बात है। योजनाबद्ध तरीके से एक और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं वहीं खासतौर से दलहन-तिलहन में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी है। किसान सम्मान निधि किसानों के लिए बड़ा सहारा बनती जा रही हैं वहीं ब्याजमुक्त कृषि ऋण, केसीसी का बढ़ता दायरा और ई नाम मण्डी, प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा, स्टोरेज सुविधा बढ़ाने के साथ ही समय पर खाद-बीज आदि की उपलब्धता का प्रभाव सामने हैं। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार कृषि क्षेत्र की जीडीपी में भागीदारी 3.7 प्रतिशत रही है जबकि साल भर पहले यह 1.5 थी। ऐसे में यह अपने आप में आशा का संचार है। निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। हो सकता है कि आने वाली तिमाही में ट्रंप टैरिफ का असर दिखाई दे पर जिस तरह से सरकार द्वारा वैकल्पिक प्रयास आरंभ किये जा रहे हैं उससे लगता है कि अर्थ व्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं होगा या होगा भी तो देश इससे निपटने को तैयार है। 50 प्रतिशत टैरिफ की चुनौती को आज समूचा देश निपटने को तैयार है। हालांकि ट्रंप ने सोचा था कि हम सरेण्डर कर देंगे, ड़र जाएंगे पर अब गीदड़ भभकी बेअसर होती देखकर ट्रंप की खीज अवश्य बढ़ने लगी है। पर यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप को अपने देश में ही अपनी तुगलकी नीति के कारण देर सवेर मुंह की खानी पड़े गी। हालांकि अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ निर्णय को अनुचित करार दे दिया है। आने वाले दिनों में इसके प्रभाव अमेरिका में और अधिक दिखाई देंगे क्योंकि हम और हमारी सरकार ट्रंप की चुनौती से निपटने के लिए मानसिक रुप से तैयार हो चुकी है। खैर यह विषयांतर होगा। कहने का अर्थ है कि यह और आने वाले साल भी खेती-किसानी के लिए सकारात्मक ही होंगी। रबी के अच्छे परिणाम आये हैं। चालू खरीफ में अच्छे मानसून के चलते अच्छी बुवाई हुई है। बुवाई क्षेत्र बढ़ा है। सरकार भी बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हालांकि यह कटु सत्य है कि ग्रामीण रहवासियों की आजीविका का प्रमुख माध्यम खेती ही है तो समूचे देश की खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी भी इसी क्षेत्र के पास है। अमेरिकी नीति के कारण निर्यात पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को भी अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर पूर्ति करने की बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही खेती किसानी की अपनी चुनौतियां बरकरार है। आज भी कुल कृषि उत्पादन का 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन फसलोत्तर सुविधाओं की कमी के कारण बर्बाद हो जाता है। कृषि जोत कम होती जा रही है। बढ़ते शहरीकरण का प्रभाव भी पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज, परिवहन की कोल्ड चेन और भण्डारण की बेहतर व्यवस्थाओं की दरकार है। कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र और फूड पार्क जिस तरह से आकार लेने चाहिए थे वे ले नहीं पाये है। बीमा क्षेत्र में भी बहुत किया जाना अपेक्षित है तो कृषि उपज की खरीद व्यवस्था और एमएसपी खरीद को लेकर भी तेजी से काम किया जाना है। सरकार को एक बात समझनी चाहिए कि खेती क्षेत्र में जो भी सब्सिडी देय है उसे उत्पादकता से जोड़ा जाये यथा कृषि इनपुट या यों कहे कि खाद-बीज, कीटनाशक आदि के किट के रुप में उपलब्ध कराया जाये तो उसका लाभ अनुदानित राशि के स्थान पर इनपुट मिलने से उसका उपयोग खेती किसानी में ही होने से उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में ही होगा। इसी तरह से खरीद व्यवस्था में बहुत सुधार के बावजूद अभी भी बहुत करते हुए बिचौलियों को व्यवस्था से दूर करना होगा। खैर यह सब दीर्घकालीन सुधार कार्य है पर बेहतर जीडीपी प्रदर्शन और कृषि क्षेत्र की उल्लेखनीय हिस्सेदारी को प्रोत्साहित करते हुए सराहना की जानी चाहिए।

मनुष्य के दखल से पृथ्वी की बदहाली

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी किन्तु मनुष्य की लालसा के कारण हमें उद्योग धंधों का विकास तीव्र गति से करना पड़ा, मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया।जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी।

लिवर खराब होने पर शरीर में दिखते हैं ये लक्षण, संकेत मिलते ही तुरंत डॉक्टर के पास जाएं

हमारा लिवर शरीर का एक बहुत जरूरी अंग है, जो खून को साफ करता है, टॉक्सिन्स (जहरीले पदार्थ) को बाहर निकालता है, पाचन में मदद करता है और जरूरी प्रोटीन बनाता है। जब लिवर सही तरीके से काम नहीं करता, तो शरीर में कई बदलाव आने लगते हैं, जिनमें से कुछ सबसे पहले पेशाब में दिखाई देते हैं। पेशाब के ये छोटे-छोटे संकेत लिवर की खराबी का शुरूआती पता दे सकते हैं। आइए जानते हैं पेशाब में दिखने वाले ऐसे 5 मुख्य लक्षण जो आपके लिवर की तबीयत के बारे में चेतावनी देते हैं।

यूरिन का रंग गहरा पीला या भूरे रंग का होना

अगर आपके पेशाब का रंग सामान्य से ज्यादा गहरा पीला या भूरे रंग का हो गया है, तो यह लिवर की समस्या का पहला संकेत हो सकता है। लिवर ठीक से काम न करने पर शरीर में मौजूद बाइल (पित्त) का असर पेशाब के रंग पर पड़ता है और यह गहरा हो जाता है। ऐसे में आपको सतर्क हो जाना चाहिए और डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

यूरिन का झागदार होना

अगर पेशाब में लगातार झाग बन रहा है, तो यह लिवर की गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसा होने का मतलब है कि पेशाब में प्रोटीन की मात्रा बढ़ रही है, जिसे प्रोटीन लीकेज कहते हैं। यह लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारियों से जुड़ा हो सकता है। ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

यूरिन की तेज और बदबूदार दुर्गंध

अगर पेशाब से असामान्य तेज और बदबू आने लगे, तो यह भी लिवर खराब होने की निशानी हो सकती है। जब लिवर ठीक से टॉक्सिन्स को फिल्टर नहीं कर पाता, तो वे किडनी और पेशाब के जरिए बाहर निकलते हैं, जिससे पेशाब में दुर्गंध पैदा होती है।

यूरिन करते समय जलन महसूस होना

लिवर की बीमारी के कारण शरीर में अमोनिया की मात्रा बढ़ सकती है, जो पेशाब करते समय जलन का कारण बनती है। अगर बार-बार पेशाब में जलन होती है तो इसे नजरअंदाज न करें और जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें।

बार-बार यूरिन आना लेकिन कम मात्रा में

अगर आपको बार-बार पेशाब आने लगे लेकिन मात्रा कम हो, तो यह लिवर की गंभीर समस्या की तरफ इशारा कर सकता है। ऐसे लक्षण आने पर समय पर इलाज बेहद जरूरी होता है।

लिवर की बीमारी जानलेवा भी हो सकती है

लिवर की बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती है और अगर समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा भी हो सकती है। इसलिए अपने शरीर के इन संकेतों को हल्के में न लें। पेशाब में दिखने वाले ये छोटे-छोटे बदलाव आपके शरीर की चेतावनी हैं।

यूरिन में दिखने वाले लक्षणों से बचाव कैसे करें?

संतुलित और पौष्टिक आहार लें: हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और प्रोटीनयुक्त आहार का सेवन करें। तैलीय, भारी और जंक फूड से बचें।

शराब का सेवन पूरी तरह बंद करें: शराब लिवर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है, इसलिए इसका सेवन पूरी तरह से बंद करें।

वजन नियंत्रण रखें: अधिक वजन लिवर की समस्याओं को बढ़ावा देता है, इसलिए स्वस्थ वजन बनाए रखें।

नियमित व्यायाम करें: रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें ताकि लिवर सही तरीके से काम करे।

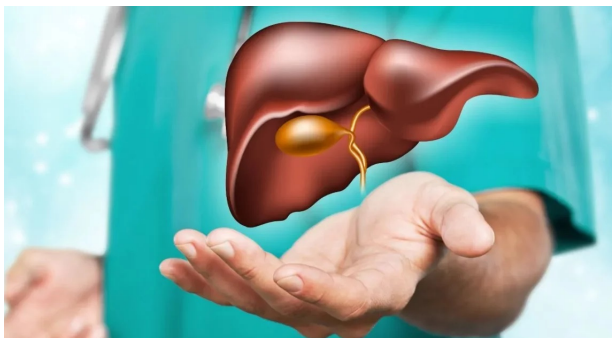

ड्रग्स और दवाइयों का सही इस्तेमाल करें: बिना डॉक्टर की सलाह के कोई दवा न लें, क्योंकि कुछ दवाइयां लिवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सफाई का ध्यान रखें: साफ-सफाई का ध्यान रखें ताकि संक्रमण न हो, क्योंकि कुछ लिवर की बीमारियां संक्रमण के कारण भी होती हैं।

समय-समय पर लिवर की जांच करवाते रहें: लिवर की सेहत पर नजर रखने के लिए नियमित ब्लड टेस्ट और जांच कराते रहें।

तनाव कम करें और अच्छी नींद लें: तनाव और नींद की कमी भी लिवर की सेहत पर असर डालती है, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अगर आपको अपने यूरिन में उपरोक्त कोई भी बदलाव नजर आए तो तुरंत किसी अच्छे डॉक्टर से मिलें और लिवर की जांच कराएं। सही समय पर इलाज से आप गंभीर बीमारी से बच सकते हैं और अपना स्वास्थ्य बेहतर रख सकते हैं।

आलू-प्याज छोड़िए, इस रेसिपी से बनाएं लजीज टमाटर के पकोड़े

टमाटर के पकौड़े बनाना आसान है, साथ ही झटपट तैयार हो जाते हैं और इसका स्वाद भी बेहद खास होता है। आइए जानते हैं घर पर टमाटर के क्रिस्पी लजीज पकौड़े कैसे बनाए जा सकते हैं। भारत में देसी स्नैक्स की बात की जाए तो पकौंडे और समोसे सबसे पहले सूची में आते हैं। पकौड़े की भी कई वैरायटी होती हैं जो हर मौसम में स्वाद के साथ खाए जाते हैं। इसमें

आलू के पकौड़े, प्याज के पकौड़े, पनीर के पकौड़े और ब्रेड पकौड़ा समेत कई तरह के पकौड़ों की लिस्ट बताई जा सकती है। लेकिन क्या आपने कभी टमाटर के पकौड़े खाएं हैं? अगर आप हर बार एक ही तरह के आलू-प्याज के पकौड़े खाकर बोर हो चुके हैं तो इस बार टमाटर के खट्टे-मीठे, चटपटे और कुरकुरे पकौड़े ट्राई कर सकते हैं। टमाटर के पकौड़े बनाना आसान है, साथ ही झटपट तैयार हो जाते हैं और इसका स्वाद भी बेहद खास होता है। आइए जानते हैं घर पर टमाटर के क्रिस्पी लजीज पकौड़े कैसे बनाए जा सकते हैं। टमाटर के पकौड़े बनाने की सामग्री दो मीडियम आकार के टमाटर एक कप बेसन दो बड़े चम्मच चावल का आटा आधा चम्मच अजवाइन आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर चुटकीभर हल्दी एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर नमक पानी तलने के लिए तेल

टमाटर के पकौड़े बनाने की विधि

स्टेप 1- टमाटर के पकौड़े बनाने के लिए टमाटर को गोल स्लाइस में काट लें। ध्यान रखें कि टमाटर के स्लाइस बहुत पतले न हों। स्टेप 2- अब एक कटोरे में बेसन, क्रिस्पी करने के लिए चावल का आटा, सभी मसाले, हरी मिर्च, अजवाइन आदि सभी कुछ डालकर अच्छे से मिला लें। स्टेप 3- इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। स्टेप 4- अब एक बड़ी कढ़ाई में तेल गर्म करें। स्टेप 5- टमाटर के स्लाइस को बैटर में डुबोकर गर्म तेल में डालें। स्टेप 6- मीडियम आंच पर टमाटर के पकौड़े को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। स्टेप 7- जब पकौड़ें अच्छे से तल जाएं तो उन्हें नैपकिन पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल हट जाए। टमाटर के क्रिस्पी पकौड़े तैयार है। इसे हरी चटनी, मीठी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स का खजाना है ये सब्जी, कैंसर जैसी बीमारियों से दे सकती है सुरक्षा

100 ग्राम ब्रोकली से हमारे रोजाना के विटामिन-सी की 91 फीसदी और विटामिन के की 77 फीसदी पूर्ति की जा सकती है। आइए जानते हैं कि ब्रोकली को आहार का हिस्सा बनाना हमारे शरीर के लिए किस प्रकार से लाभकारी हो सकता है? ब्रोकली जिसे अक्सर हरी गोभी के नाम से भी जाना जाता है, ये सेहत के लिए बहुत फायदेमंद सब्जी है। ये विटामिन, खनिज, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। फिटनेस फ्रीक लोगों की पसंद ब्रोकली के सेवन से शरीर को आवश्यक कई प्रकार के पोषक तत्व आसानी से प्राप्त हो सकते हैं। आहार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर रोजाना इसका सेवन किया जाए तो यह हड्डियों से लेकर हार्ट और आंखों से लेकर मस्तिष्क तक के लिए कई प्रकार से फायदेमंद हो सकती है। ब्रोकली में सल्फोराफेन नामक एक यौगिक पाया जाता है, जो शरीर में कैंसर से लड़ने वाले एंजाइम्स को सक्रिय करता है। सल्फोराफेन स्तन, प्रोस्टेट, कोलन और फेफड़ों के कैंसर से लड़ने में प्रभावी हो सकता है। इसी तरह इसमें इसमें इंडोल-3-कारबिनोल भी होता है, जो हार्मोन-संबंधित कैंसर जैसे ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं कि ब्रोकली को आहार का हिस्सा बनाना हमारे शरीर के लिए किस प्रकार से लाभकारी हो सकता है?

पोषक तत्वों का खजाना है ये सब्जी

करीब 100 ग्राम ब्रोकली से हमारे रोजाना के विटामिन-सी की 91 फीसदी और विटामिन के की 77 फीसदी पूर्ति की जा सकती है। विटामिन सी एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को ठीक रखने और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं विटामिन-के, रक्त के थक्के जमने और हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है।

इसमें फोलेट (विटामिन बी9) भी पाया जाता है जो गर्भवती लोगों में सामान्य ऊतकों की वृद्धि और कोशिका के कार्यों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसका सेवन कई प्रकार से हमारे लिए फायदेमंद है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

ब्रोकली में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह का फाइबर होता है, जो आंतों को स्वस्थ रखता है। यह कब्ज, एसिडिटी और पेट की सूजन जैसी समस्याओं से राहत दिला सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि ब्रोकली खाने से आंतों में गुड बैक्टीरिया (गट माइक्रोबायोम) का संतुलन बेहतर होता है, जिससे पाचन स्वास्थ्य ठीक रहता है।

कोलेस्ट्रॉल-हृदय के लिए लाभकारी

ब्रोकली हृदय की सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती है, असल में यह हृदय रोग के जोखिम मार्करों को कम करने में सहायक है।

एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग ब्रोकली का सेवन करते हैं, उनमें एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर कम होता है, ये दोनों कई प्रकार के हृदय रोगों का प्रमुख जोखिम कारक हैं।

इसके अलावा ब्रोकली, शरीर में इंफ्लामेशन को कम करने में भी मदद करती है जिससे हृदय की बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है।

इम्यून सिस्टम होता है मजबूत

ब्रोकली में विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत करती है। यह सर्दी-जुकाम, संक्रमण और अन्य बीमारियों से शरीर को लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा ब्रोकली में ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन जैसे यौगिक भी होते हैं, जो मोतियाबिंद और उम्र से संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन से बचाव करते हैं।

फैशन के साथ आरामदायक हैं योगा पैंट्स, जानिए इसके 5 अलग-अलग प्रकार

योगा पैंट्स की मांग आजकल बहुत बढ़ गई है। ये न केवल योग के लिए बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी पहनी जा रही हैं। योगा पैंट्स के कई अलग-अलग प्रकार होते हैं, जो आपके स्टाइल और आराम दोनों को ध्यान में रखते हुए बनाए जाते हैं। आइए आज हम आपको पांच प्रमुख प्रकार की योगा पैंट्स के बारे में बताते हैं, जिनका चुनाव आप अपनी पसंद और जरूरतों के अनुसार कर सकते हैं।

हाई-वेस्ट योगा पैंट्स

हाई-वेस्ट योगा पैंट्स आजकल बहुत पसंद की जा रही हैं। इनकी ऊंची कमर आपको अतिरिक्त सहारा देती है और पेट को ढककर रखती है। ये पैंट्स आपके शरीर को एक सुंदर आकार देती हैं और इन्हें टॉस या टॉप्स के साथ पहना जा सकता है। हाई-वेस्ट पैंट्स खासकर उन महिलाओं के लिए बेहतरीन होती हैं, जो पेट की अतिरिक्त चर्बी को छिपाना चाहती हैं या अपने पेट को अतिरिक्त सहारा देना चाहती हैं।

कैपरी योगा पैंट्स

कैपरी योगा पैंट्स घुटनों तक आती हैं और गर्मियों में बहुत आरामदायक होती हैं। इनकी लंबाई उन्हें खास बनाती है क्योंकि ये न केवल आरामदायक होती हैं बल्कि स्टाइलिश भी दिखती हैं। कैपरी पैंट्स को आप किसी भी टॉप या टी-शर्ट के साथ पहन सकती हैं। ये पैंट्स खासकर उन दिनों में बहुत अच्छी लगती हैं जब मौसम गर्म होता है और लंबे पैंट्स पहनना मुश्किल लगता है।

लोअर-लेग योगा पैंट्स

लोअर-लेग योगा पैंट्स टखनों तक आती हैं और इन्हें खासकर ठंडे मौसम में पहना जाता है। इनकी लंबाई उन्हें गर्म रखने में मदद करती है और आप इन्हें स्वेटर या लंबे टॉप्स के साथ पहन सकती हैं। लोअर-लेग पैंट्स उन लोगों के लिए बेहतरीन होती हैं, जो ठंडे मौसम में योगा करना पसंद करते हैं या बाहर एक्सरसाइज करते हैं। इन पैंट्स का कपड़ा भी मोटा होता है, जो ठंड से बचाव करता है।

स्किन-फिट योगा पैंट्स

स्किन-फिट योगा पैंट्स शरीर से चिपकी हुई होती हैं और ये बहुत ही आरामदायक होती हैं। इनका कपड़ा लचीला होता है, जिससे आप आसानी से हिल-डुल सकती हैं। स्किन-फिट पैंट्स खासकर उन लोगों के लिए बेहतरीन होती हैं, जो ज्यादा सक्रिय रहते हैं या तेज एक्सरसाइज करते हैं।

श्रीसंत को थप्पड़ वाला VIDEO लीक होने पर हरभजन की पहली प्रतिक्रिया, ललित मोदी को लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरभजन कई बार यह स्वीकार कर चुके हैं कि वह उस घटना को लेकर बेहद शर्मिंदा हैं। उन्होंने श्रीसंत से थप्पड़ मारने के लिए कई मौकों पर माफी मांगी है और अब दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है। क्रिकेट जगत के सबसे विवादास्पद पलों में से एक, 'स्लैप-गेट' का वीडियो अचानक सामने आने से एक बार फिर चर्चा का तूफान उठ गया है। इस घटना में हरभजन सिंह ने एस. श्रीसंत को आईपीएल 2008 के दौरान हाथ पर थप्पड़ मारा था, एक पल जिसने उस सीजन और क्रिकेट इतिहास दोनों में गहरी छाप छोड़ी। लेकिन इस बार चर्चा का केंद्र बने वीडियो को लीक करने वाले पूर्व क्छछ चेयरमैन ललित मोदी पर हरभजन ने चुप्पी तोड़ दी है। भज्जी ने इंस्टैंट बॉलीवुड पेज से स्पष्ट शब्दों में कहा, '18 साल पुराना वीडियो बाहर लाना गलत है। यह किसी स्वार्थी मकसद से किया गया है। लोग इसे भूल चुके थे और अब फिर से उनकी यादों को ताजा किया जा रहा है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह उस घटना को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुके हैं और इस तरह से बार-बार मुद्दा उठाना केवल असुविधा का कारण ही बनेगा। हरभजन कई बार यह स्वीकार कर चुके हैं कि वह उस घटना को लेकर बेहद शर्मिंदा हैं। उन्होंने श्रीसंत से थप्पड़ मारने के लिए कई मौकों पर माफी मांगी है और अब दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है। लेकिन ललित मोदी द्वारा 18 साल पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर जारी करने के बाद यह प्रकरण एक बार फिर क्रिकेट फैंस की यादों में ताजा हो गया। हरभजन ने कहा, 'जो हुआ उसके लिए मुझे बुरा लगता है। हम खेल रहे थे और हर किसी के दिमाग में कई बातें चल रही थीं। गलती हुई और हमें उसका अफसोस है। हां, वीडियो वायरल हो चुका है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मैंने कई बार कहा है कि मैंने गलती की। इंसान से गलतियां होती हैं और मुझसे भी हुई। मैंने भगवान गणेश से प्रार्थना की है कि अगर मुझसे फिर कभी गलती हो तो वह मुझे माफ करें। गलतियां इंसान से ही होती हैं।' वहीं श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने इस लीक पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, 'यह अमानवीय, बर्बर और शर्मनाक है। यह सिर्फ ध्यान आकर्षित करने के लिए किया गया एक सस्ता कदम है। हमारे परिवार और बच्चों को फिर से दर्दनाक यादों का सामना करना पड़ रहा है।' उस समय के मैच रेफरी फारुख इंजीनियर ने भी नाराजगी जताई और कहा, 'मैंने इस घटना को गंभीर जिम्मेदारी और गुप्तता के साथ संभाला था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह वीडियो कभी बाहर आएगा।' इस बीच वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक हर्षा भोगले ने भी अपनी राय रखते हुए कहा, 'उस वक्त इउउकऔर क्छछ ने वीडियो को छुपाया ताकि टूर्नामेंट और खिलाड़ियों की छवि पर आंच न आए। यही वजह थी कि 17 साल तक यह फुटेज सार्वजनिक नहीं किया गया।' यह विवाद केवल एक पुराने झगड़े की याद नहीं, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या खेल और खिलाड़ियों की छवि को सुरक्षित रखने के नाम पर पारदर्शिता से समझौता किया जा सकता है? जहां हरभजन जैसे दिग्गज अपने किए पर पछतावा जता चुके हैं, वहीं पुराने जख्म कुरेदना खिलाड़ियों और उनके परिवारों के लिए नई पीड़ा लेकर आता है।

एक दिन में तीन-तीन लीग के विजेता का हुआ फैसला, ऊछछ में नीतीश की टीम चैंपियन, द हंड्रेड में ये जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। द हंड्रेड पुरुषों के फाइनल में सैम बिलिंग्स की अगुआई वाली ओवल इन्विन्सिबल्स ने ट्रेंट रॉकेट्स को 26 रन से हराकर जीत हासिल की, जबकि द हंड्रेड महिलाओं में होली आर्मिटेज की अगुआई वाली नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की टीम ने सदर्न ब्रेव को सात विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। एक दिन में तीन-तीन लीग्स के फाइनल...यानी रोमांच का ओवरडोज। सुपर संडे में 31 अगस्त को तीन-तीन लीग्स के फाइनल देखने को मिले। जहां एक तरफ, कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान नीतीश राणा ने अपनी काबिलियत का नमूना पेश करते हुए 49 गेंद में नाबाद 79 रन बनाकर पश्चिम दिल्ली लायंस को सेंट्रल दिल्ली लायंस पर छह विकेट से जीत दिलाकर दिल्ली प्रीमियर लीग खिताब 2025 दिलाया। वहीं, द हंड्रेड के पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में विजेता का फैसला हुआ। रविवार को खेले गए पुरुषों के फाइनल में सैम बिलिंग्स की अगुआई वाली ओवल इन्विन्सिबल्स ने ट्रेंट रॉकेट्स को 26 रन से हराकर जीत हासिल की, जबकि महिलाओं में होली आर्मिटेज की अगुआई वाली नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की टीम ने सदर्न ब्रेव को सात विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। जीत के लिए 174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लायंस को शुरूआती झटके लगे जब सेंट्रल दिल्ली के गेंदबाजों सिमरजीत सिंह और अरुण पुंडीर ने लगातार विकेट लेकर पांचवें ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 48 रन कर दिया। इसके बाद कप्तान राणा ने मयंक गुसाई के साथ 42 रन की साझेदारी की। उसके बाद ऋतिक शौकीन (27 गेंद में नाबाद 42) के रूप में उन्हें अच्छा जोड़ीदार मिल गया। राणा ने अपनी पारी में छह छक्के लगाए। इससे पहले सेंट्रल दिल्ली ने 20 ओवर में 173 रन बनाए थे। राणा ने गेंदबाजी में भी जलवा दिखाते हुए चार ओवर में 16 रन देकर एक विकेट लिया। पुरुषों के फाइनल में ओवल इन्विन्सिबल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंदों में पांच विकेट गंवाकर 168 रन बनाए। विल जैक्स ने 41 गेंद में सात चौके और दो छक्कों की मदद से 72 रन की पारी खेली। वहीं, जॉर्डन कॉक्स ने 28 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 40 रन बनाए। ट्रेंट रॉकेट्स की ओर से मार्कस स्टोइनिस ने दो विकेट लिए। वहीं, 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेंट रॉकेट्स की टीम 100 गेंद में आठ विकेट पर 142 रन ही बना सकी। स्टोइनिस ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 38 गेंद में चार चौके और पांच छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। ओवल की ओर से नाथन सॉटर ने तीन विकेट लिए। ओवल की टीम ने लगातार तीसरी बार खिताब जीता है। इससे पहले 2023 और 2024 में भी यही टीम चैंपियन बनी थी। वहीं, महिलाओं में सदर्न ब्रेव की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंद में छह विकेट पर 115 रन बनाए थे। वॉयट हॉज ने 25 रन, सोफी डिवाइन ने 23 रन, फ्रेया कैंप ने 26 रन और मैडिविलियर्स ने नाबाद 17 रन की पारी खेली। नॉर्दर्न की ओर से केट क्रॉस और एनाबेल सदरलैंड को दो-दो विकेट मिले। 116 रन के लक्ष्य को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ने 88 गेंद पर तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। डेविना पेरिन ने 17 रन बनाए। वहीं, फीबी लिचफील्ड ने 26 रन की पारी खेली। सदरलैंड 25 गेंद में 28 रन और निकोला कैरी 25 गेंद में 35 रन बनाकर नाबाद रहीं। सदर्न की ओर से डिवाइन, मेडी और क्लो ट्रायन को एक-एक विकेट मिला।

अप्रैल-जून में भारत की GDP में उम्मीद से ज्यादा वृद्धि से बाजार गुलजार; सेंसेक्स-निफ्टी में तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भारत, चीन और रूस के एक मंच पर आने के बाद बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ शुरूआत की। नए वैश्विक समीकरणों की उम्मीद के बीच शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 343.46 अंक चढ़कर 80,153.11 पर पहुंचा। ऐसे ही निफ्टी 105.8 अंक बढ़कर 24,532.65 पर आ गया। इसके अलावा शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे गिरकर 88.26 पर खुला। अप्रैल-जून में भारत की अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा 7.8 फीसदी की वृद्धि के बाद सोमवार को शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में हरियाली दिखी। इस दौरान बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। जीडीपी के मामले में यह पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 343.46 अंक चढ़कर 80,153.11 पर पहुंच गया। ऐसे ही 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 105.8 अंक बढ़कर 24,532.65 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक और एनटीपीसी सबसे ज्यादा फायदे में दिखीं। हालांकि, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और सन फार्मा पिछड़ती नजर आईं। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,312.66 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 11,487.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इससे पहले अप्रैल-जून में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से कहीं ज्यादा 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह पांच तिमाहियों में सबसे तेज गति थी। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ लगाए थे। इससे व्यापार जगत इहशत में है। इससे कपड़ा जैसे प्रमुख निर्यातों पर खतरा मंडरा रहा है। क्या कहते हैं विशेषज्ञ? जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, 'भारत की पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर 7.8% रही, जो उम्मीद से कहीं बेहतर है। प्रस्तावित जीएसटी सुधार आने वाली तिमाहियों में विकास को गति दे सकते हैं। इसके साथ ही म्यूचुअल फंडों में आने वाली भारी नकदी भी बाजार को सहारा देती रहेगी।' विजयकुमार ने कहा कि ट्रंप के गुस्से के जवाब में वैश्विक भू-राजनीति तेजी से बदल रही है। उन्होंने आगे कहा, 'चीन, भारत और रूस के एक साथ आने से वैश्विक शक्ति समीकरणों और इस तरह वैश्विक व्यापार पर गहरा असर पड़ सकता है। इसका शेयर बाजार पर भी असर पड़ेगा।' एशियाई बाजारों में शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.41 प्रतिशत गिरकर 67.20 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे पहले पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेंसेक्स 270.92 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 79,809.65 पर बंद हुआ था। ऐसे ही निफ्टी 74.05 अंक या 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,426.85 पर बंद हुआ था।

सेबी मानकों के उल्लंघन पर एमटीएनएल पर कार्रवाई, एनएसई-बीएसई ने लगाया 13.46 लाख रुपये का जुमाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनएसई, बीएसई ने सेबी के नियमों का पालन न करने पर

एमटीएनएल पर जुमार्ना लगाया है। कंपनी पर बोर्ड संरचना संबंधी सेबी के मानकों का पालन न करने पर दोनों एक्सचेंजों ने 6.73-6.73 लाख रुपये का दंड लगाया है। सरकारी दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने जुमार्ना लगाया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि बोर्ड संरचना संबंधी सेबी के मानकों का पालन न करने पर दोनों एक्सचेंजों ने 6.73-6.73 लाख रुपये का दंड लगाया है। इन प्रावधानों का पालन नही किया गया फाइलिंग में एमटीएनएल ने बताया कि सेबी (एलओडीआर) रेगुलेशंस, 2015 के प्रावधानों का पालन न करने पर यह कार्रवाई की गई। इसमें महिला निदेशक की नियुक्ति न करना, ऑडिट समिति के गठन में खामी, नामांकन और परिश्रमित समिति, स्टेकहोल्डर संबंध समिति व प्रबंधन समिति के गठन में गैर-अनुपालन शामिल हैं। कंपनी ने दी सफाई कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वह एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और स्वतंत्र निदेशकों सहित सभी बोर्ड नियुक्तियां प्रशासनिक मंत्रालय यानी दूरसंचार विभाग करता है। एमटीएनएल ने बताया कि 15 अप्रैल से दो स्वतंत्र निदेशक, जिनमें एक महिला निदेशक भी शामिल हैं, की नियुक्ति दूरसंचार विभाग द्वारा की जा चुकी है। साथ ही चार और स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का मामला केंद्र सरकार के पास लंबित है। कंपनी ने यह भी कहा कि उसने एनएसई और बीएसई से लगाए गए जुमार्ने की माफी का अनुरोध किया है

कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन बीवी पर दिनदहाड़े हुआ हमला

बुरी तरह डरी एक्ट्रेस

द कपिल शर्मा शो में अपने समय के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने हाल ही में एक परेशान करने वाली घटना साझा की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया कि 31 अगस्त को दक्षिण मुंबई में मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने दिनदहाड़े उनकी कार पर हमला किया। उनका कहना है कि मुंबई में पहली बार, उन्होंने असुरक्षित महसूस किया, जिससे वह बहुत परेशान थीं। सुमोना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लंबा नोट लिखा जिसमें उन्होंने उस घटना का वर्णन किया जिससे वह असुरक्षित महसूस कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि एक आदमी ने उनके बोनट पर धक्का मारा जबकि अन्य ने कार की खिड़कियों पर हाथ मारा। द कपिल शर्मा शो की अभिनेत्री ने फिर मुंबई की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाया। वो इस पूरे वाकया का एक वीडियो भी रिकॉर्ड करना चाहती थीं, लेकिन उन्हें डर था कि कहीं वहां मौजूद प्रदर्शनकारी और ज्यादा ना भड़क उठें। सुमोना ने अपने पोस्ट में लिखा- आज दोपहर के 12.30 बजे, मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी और अचानक मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरे बोनट पर जोर-जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था। अपना निकला हुआ पेट मेरी कार से सटा रहा था। मेरे सामने ऐसे झूम रहा था जैसे कोई बेतुकी बात साबित कर रहा हो। उसके दोस्त मेरी खिड़कियों पर जोर-जोर से पीट रहे थे, जय महाराष्ट्र चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। हम थोड़ा आगे बढ़े और फिर वही सब दोहराया। सुमोना चक्रवर्ती ने आगे लिखा- मुंबई का मेरा सफर मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है, खासकर मैं साउथ मुंबई में खुद को हमेशा से महफूज महसूस करती आई थी. लेकिन आज, दिन-दहाड़े अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे, पहली बार डर का एहसास हुआ, एकदम असुरक्षित महसूस किया, बिल्कुल कमजोर.श । उन्होंने कहा कि वह लकी फील कर रही हैं कि उनके पास उस वक्त एक मेल फ्रेंड मौजूद था।

बिग बॉस: कुनिका सदानंद से छीनी गई कैप्टेंसी

अश्नूर कौर को मिली इम्युनिटी

बिग बॉस 19 के घर ने इस हफ्ते का पहला बड़ा ट्विस्ट देखा, जब ड्रामेटिक असेंबली रूम सेशन के दौरान घर का माहौल गरमा गया। सीजन की पहली कैप्टन कुनिका की किस्मत उस समय वोट पर टिकी, जब बिग बॉस ने घरवालों से पूछा क्या कुनिका इस हफ्ते नॉमिनेशन लिस्ट से सेफ रहने की हकदार हैं? घरवालों के जबरदस्त फैसले में 12 कंटेस्टेंट्स ने उनके खिलाफ वोट दिया। इसके बाद बिग बॉस ने घोषणा की कि कुनिका से कैप्टेंसी छीन ली गई है, उन्हें इस हफ्ते कोई इम्युनिटी नहीं मिलेगी और अब वे घरवालों द्वारा नॉमिनेट की जा सकती हैं। नतीजे का ऐलान करते हुए बिग बॉस ने कहा श्घरवाले कुनिका को कैप्टन नहीं मानते, इसलिए उन्हें इम्युनिटी भी नहीं मिलनी चाहिए। घर की पहली कैप्टन पूरी तरह फेल हो गई हैं। अब कोई कैप्टन नहीं होगा और घर को मिलकर घरवाले ही संभालेंगे। इसके बाद फोकस इस बात पर शिफ्ट हुआ कि कंटेस्टेंट्स में से किसे इम्युनिटी दी जाए। काफी चर्चा के बाद अश्नूर और अभिषेक दो दावेदार बनकर सामने आए। अंततः बहुमत का वोट अश्नूर के पक्ष में गया और उन्हें इस हफ्ते के नॉमिनेशन से सेफ्टी मिल गई। कुनिका की अथॉरिटी खत्म होने और अश्नूर को प्रोटेक्शन मिलने के साथ ही घर का पावर बैलेंस पूरी तरह बदल गया है। अब आने वाले दिनों में नई दोस्तियां, गरमागरम दुश्मनी और अनपेक्षित ड्रामा देखने को मिलेगा।

तबाही मचा रही शारदा...देवहा किनारे बसे 30 गांवों में बाढ़ का खतरा, निचले इलाकों में आया पानी; परेशानी बढ़ी

पीलीभीत। पीलीभीत के निचले इलाकों में देवहा और खकरा नदी का पानी घुस गया है। शारदा नदी 10 से अधिक गांवों में तबाही मचा रही है। पीलीभीत में बाढ़ और बारिश से शहर के हालत बिगड़ते जा रहे हैं। बारिश से तो जलभराव हो ही रहा है, इसके साथ ही देवहा और खकरा नदी का पानी भी शहर के निचले इलाकों में घुस गया है। कई मोहल्लों में नदियों का पानी पहुंचने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उधर, शारदा नदी 10 से अधिक गांवों में तबाही मचा रही है। पिछले कई दिनों से हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त व्यक्त कर दिया है। देवहा और शारदा नदी उफान पर है। सोमवार की देर रात देवहा नदी का पानी चंदोई और कई अन्य इलाकों में घुस गया। खकरा नदी का पानी केजीएन कालोनी में घुस गया। कचहरी के पास टनकपुर हाईवे पर भी पानी पहुंच गया है। लोगों को आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उधर, हजारा और शास्त्रीनगर बीसलपुर में भी लगातार हो रही बारिश के चलते देवहा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी किनारे बसे 30 से अधिक गांवों में बाढ़ की आशंका ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। गांवों के लोग नदी के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। राजस्व विभाग ने संभावित बाढ़ से निपटने के लिए तहसील क्षेत्र में नौ बाढ़ चौकियां स्थापित की हैं। वहां कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। तहसील परिसर में बाढ़ नियंत्रण कक्ष भी 24 घंटे संचालित हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी नायब तहसीलदार अवधेश कुमार को सौंपी गई है। रउट ने किया बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने संभावित बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर लोगों को सतर्क किया है। गांवों के लोगों का कहना है कि हर साल देवहा नदी में बाढ़ आने से भारी नुकसान होता है, लेकिन बाढ़ रोकथाम के लिए स्थाई उपाय नहीं किए जा रहे। बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मचारी भी तभी सक्रिय होते हैं, जब पानी गांवों की ओर बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि रेत के बोरों से किया जाने वाला बचाव कार्य नाममात्र का होता है। स्थायी समाधान जरूरी है। देवहा नदी की जद में मुड़िया कुंडरी, मुड़िया हुलास, भौरुआ, राजुपुर, शेखीपुर, शाहबाजपुर, रमपुरा, नगरिया, फतेहपुर, कर्रखेड़ा, हीरापुर, अर्जुनपुर, खांडेपुर, चौखंडी, बरसिया, कंधरापुर सहित कई गांव बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। तहसील परिसर स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय है। सभी कर्मचारियों को अलर्ट पर रखा गया है और नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है। फिलहाल किसी तरह का खतरा नहीं है। ग्रामीणों ने प्रशासन से की स्थायी समाधान की मांग अहिरवाडा गांव में हर साल बाढ़ से भारी नुकसान होता है, इसलिए प्रशासन को स्थायी उपाय करने चाहिए। अब जलस्तर बढ़ने खतरा फिर बढ़ गया है। - सुदेश मौर्य, अहिरवाडा कंधरापुर गांव देवहा नदी से सटा हुआ है। जलस्तर बढ़ते ही पानी गांव में घुसने लगता है। जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का आशंका बढ़ गई है। -संजीव कुमार, कंधरापुर कई मार्गों पर आया देवहा नदी का बाढ़ का पानी देवहा नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद बाढ़ का पानी कई प्रमुख मार्गों पर

भी पहुंच गया है। इस वजह से उन मार्गों का यातायात ठप हो गया है। प्रशासन ने जलभराव वाले मार्गों पर यातायात रोकने के लिए लाल झंडियां लगवा दी गईं हैं। बाढ़ का यह पानी भैंसटा लालपुर, कितना पुर, नवदिया, सितारगंज, नवदिया भगत, ढुकसी, हीरा पुर दुही, चौसर हर दो पट्टी, शेखापुर और मुड़िया कुंडरी आदि गांवों के पास से गुजरने वाले प्रमुख मार्गों पर आ गया है। बाढ़ ने खेतों की फसलों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। एसडीएम नागेंद्र पांडेय और तहसीलदार हबीबुर रहमान ने जलमग्न हुए मार्गों का निरीक्षण किया और उन मार्गों का यातायात रोकने के लिए लाल झंडियां लगवा दीं। अधिकारियों ने नदियों के किनारे स्थित गांव के लोगों को सतर्क रहने का सुझाव दिया है। लोगों ने घरों का जरूरी सामान छतों पर रख लिया है। एसडीएम ने बताया कि जिन मार्गों पर बाढ़ का पानी आ गया है उन मार्गों पर यातायात बंद करने के लिए लेखपालों से लाल झंडियां लगवा दी गई है।

बिजली गिरने से शहर के दो ट्रांसफॉर्मर फुंके, तीन घंटा आपूर्ति रही बाधित

पीलीभीत। बारिश के चलते शहर के दो स्थानों पर रखे ट्रांसफॉर्मर फुंक गए। इससे यहां सात सौ उपभोक्ताओं को तीन घंटा तक आपूर्ति नहीं मिल सकी। इसके अलावा शहर के रामलीला फीडर व रुपपुर स्थित विद्युत उपकेंद्र पर तारों के टूटने से यहां तीन घंटे से ज्यादा आपूर्ति बाधित रही। शहर में सोमवार की सुबह से ही तेज बारिश हुई। इससे शहर के संजय रॉयल पार्क व जामा मस्जिद के पास रखे ट्रांसफॉर्मर पर बारिश के दौरान बिजली गिर गई। इससे इस इलाके से जुड़े सात उपभोक्ताओं की आपूर्ति बाधित हो गई। सूचना पर पहुंची टीम ने मरम्मत का प्रयास किया, लेकिन आपूर्ति सुचारु नहीं हो सकी। इसके बाद संजय रॉयल पार्क पर वैकल्पिक व्यवस्था व जामा मस्जिद के पास ट्रॉली ट्रांसफॉर्मर लगाकर वहां की सप्लाई को सही किया गया। इसके अलावा शहर के रामलीला फीडर के टाउन नंबर दो पर तार टूट गए। इससे वहां के दो हजार उपभोक्ताओं की आपूर्ति बाधित रही। वहीं रुपपुर स्थित विद्युत उपकेंद्र के हॉस्पिटल फीडर पर तार टूट गए। इससे पूरनपुर रोड स्थित दुकान व वहां के आसपास के लोगों की आपूर्ति बाधित रही। इसके अलावा शहर के आवास विकास, अशोक कॉलोनी, नई बस्ती, काला मंदिर, अग्रवाल सभा, तुलाराम, कांशीराम, रामबिहार, निरजनकुंज कॉलोनी सहित अन्य इलाकों में बिजली कटौती की समस्या से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। जेई जहांगीर आलम ने बताया कि दो स्थानों पर बिजली गिरने से ट्रांसफॉर्मर फुंक गए हैं। वहां वैकल्पिक व्यवस्था कराई गई है। बिलसंडा। बिजली गिरने से इंसुलेटर खराब होने पर बिलसंडा, ईंटगांव और करेली उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति घंटों बाधित रहने से उपभोक्ता परेशान रहे। काफी मशक्कत के बाद आपूर्ति हो सकी। बिलसंडा विद्युत उपकेंद्र में पानी भरने से आपूर्ति ठप है। रविवार की रात तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने से 33 केवीए लाइन पर लगे कई इंसुलेटर फुंक गए। इससे बिजली आपूर्ति ठप रही। बिजली आपूर्ति 12 घंटे से अधिक समय तक ठप रही। सोमवार को दोपहर 12 बजे के बाद फॉल्ट को ठीक कर आपूर्ति बहाल कराई गई। विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से न मिलने की वजह से उपभोक्ता परेशान दिखे। सोशल मीडिया और मोबाइल के माध्यम से लोग अपनी शिकायतें दर्ज कराते रहे। देर शाम तक देहात में विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं हो सकी। देर शाम बिलसंडा विद्युत उपकेंद्र में पानी भरने से नगर के तिकुनिया पोषक, देवीस्थान पोषक, रतन पोषक, बमरौली पोषक, मरौरी पोषक, गोहनिया पोषक, बकेनिया कृषक पोषक की आपूर्ति बंद कर दी गई। उधर, गांव घुरी खास में रविवार की रात भारी बारिश के कारण गांव निवासी अशोक के कच्चे मकान की छत गिर गई। हादसे के समय अंदर के कमरे में सो रहे थे। छत के गिरने से घरेलू सामान नष्ट हो गया।

राजस्व विभाग को सूचना देते हुए प्रशासन से मदद की गुहार लगाई गई है। हल्का लेखपाल जय महरा ने गांव पहुंचकर जांच रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को सौंप दी।

आश्वासन पर अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया स्थगित

पूरनपुर। एसडीएम, तहसीलदार और उनके दोनों पेशकारों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को डीएम से मिला। डीएम ने दूसरे पक्ष को सुनकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

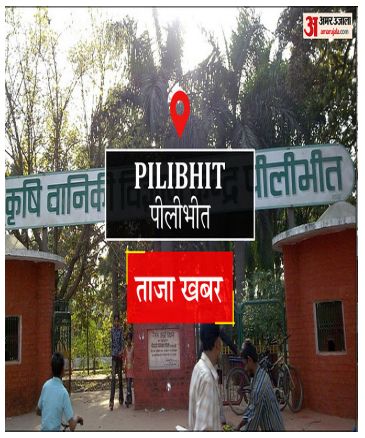

डीएम के आश्वासन पर वकीलों का धरना-प्रदर्शन स्थगित हो गया। अधिवक्ताओं ने शनिवार को एसडीएम, तहसीलदार और उनके पेशकारों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए तहसील में प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं ने दोनों अफसरों और पेशकारों के न हटने तक आंदोलन जारी रखने, सोमवार को हड़ताल पर रहने, डीएम से मिलकर पूरे मामले की जानकारी देने का निर्णय लिया था।

जलभराव की स्थिति गंभीर, मंत्री और डीएम ने किया ग्राउंड ज़ीरो का दौरा

पीलीभीतरू लगातार हो रही बारिश के कारण पीलीभीत शहर जलमग्न हो गया है। पिछले तीन दिनों से शहर के अधिकांश इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रदेश सरकार में गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्य मंत्री श्री संजय सिंह गंगवार और जिला अधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह ने आज शहर का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने ग्राउंड ज़ीरो पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण किया। उनके साथ नगर पालिका, नगर अभियंता और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर समस्या की जानकारी ली और त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। डीएम और मंत्री जी ने नगर पालिका और ईओ को सख्त निर्देश दिए हैं कि जलभराव की समस्या को शीघ्रता से हल किया जाए। साथ ही, एडीएम भी इस अभियान में सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं। पीलीभीत के सांसद श्री जितिन प्रसाद भी हालात पर करीबी निगरानी बनाए हुए हैं और लगातार फीडबैक ले रहे हैं।

आफत बनी बारिश, सड़क से मोहल्लों तक जलभराव से जनजीवन प्रभावित

पीलीभीत। जिले में बीते तीन दिन से हो रही लगातार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। सोमवार को भी रुक-रुककर जारी बारिश ने शहर को तालाब में तब्दील कर दिया। मुख्य मार्गों पर दो से तीन ट तक पानी भर गया, जबकि मोहल्लों और कॉलोनियों की गलियां पूरी तरह जलमग्न हो गईं। हालात इतने खराब हैं कि अधिकारी कॉलोनी के आवासों में भी बारिश का पानी पहुंच गया है। इससे लोगों को घरों से बाहर निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के गांधी स्टेडियम, स्टेशन रोड, टनकपुर हाईवे और दूधिया मंदिर मार्ग पर दो से तीन फुट तक पानी जमा रहा। जलभराव के कारण कई जगह दोपहिया वाहन बीच रास्ते में ही बंद हो गए। लोग अपनी मोटरसाइकिल खींचते नजर आए। इधर, मोहल्लों काला मंदिर, नखासा, देशनगर, सुनगढ़ी, फीलखाना, डालचंद और बागगुलशेरखां में नालियां चोक होने से हालात और बिगड़ गए। कॉलोनियों में घरों तक पहुंचा बारिश का पानी गंगोत्रीपुरम, कृष्ण बिहार, वल्लभनगर कॉलोनी, गोदावरी स्टेट, अशोक कॉलोनी, सुरभि कॉलोनी, अवध नगर कॉलोनी और अधिकारियों की ऑफिसर्स कॉलोनी में घरों तक पानी घुस गया है। सोमवार को लोगों को घरों में रखे फर्नीचर और सामान को बचाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। अधिकारियों ने भी अपने घरों का सामान पानी से बचाने के लिए जतन किए। चार दिन में 80 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज पिछले चार दिनों में अब तक जिले में करीब 80 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। लगातार जारी बरसात से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त है। लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं, वहीं नगर निकाय की व्यवस्थाओं की पोल जलभराव ने खोल दी है।

एक्सप्रेस व्यूज

(हिन्दी मासिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मोहित कुमार द्वारा ए. के प्रिंटर्स, मोहल्ला भूरे खां, पीलीभीत से मुद्रित कराकर म.नं. 87, मोहल्ला थान सिंह पीलीभीत (उ0प्र0) 262001 से प्रकाशित किया गया।

सम्पादक

मोहित कुमार

नोट : सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत न्यायालय होगा।